कालीन वित्त निगम की स्थापना

2282. **श्री तारिक अनवर:**
श्री उमाकांत मिश्र :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के कालीन निर्माताओं ने सरकार से एक कालीन वित्त निगम स्थापित करने को कहा है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार उनकी मांग पर विचार कर रही है;

(ग) यदि हां, तो उक्त निगम कब तक स्थापित किया जायगा ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती राम दुलारी सिन्हा) : (क) जी हां । भारतीय कालीन विनिर्माताओं तथा निर्यातक एसोसिएशन, भदोही, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) से एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है ।

(ख) से (घ). इस प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा सका क्योंकि एसोसिएशन से प्रस्ताव के ब्यौरे का इन्तजार किया जा रहा है ।

फ्रेंकफर्ट के कालीन मेले में भारत का भाग लेना

2283. **श्री तारिक अनवर** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत ने जर्मनी के फ्रेंकफर्ट में आयोजित विश्व विख्यात कालीन के मेले में भाग लिया था ;

(ख) भारत के किन-किन स्थानों के कालीनों को मेले में ले जाया गया था ; और

(ग) सरकार को वहां से कुल कितने मूल्य के निर्यात आर्डर प्राप्त हुये ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती राम दुलारी सिन्हा) : (क) भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण ने जर्मनी में किसी अनन्य कालीन मेले में भाग नहीं लिया । तथापि, हीममटैक्सटिल, फ्रेन्कफर्ट, जिनमें प्रदर्शित वस्तुओं में कालीन भी शामिल हैं, में सहभागिता 121 6 जनवरी, 1983 के दौरान आयोजित की गई ।

(ख) कश्मीर से रेशमी तथा ऊनी कालीन, मिर्जापुर, भादोही तथा जयपुर से हैंड-नाटेड ऊनी कालीन तथा दरियां प्रदर्शित किये गये थे । मण्डप में जूट कालीन भी प्रदर्शित थे ।

(ग) भारत मण्डप में सहभागियों द्वारा दी गई रिपोर्टों के अनुसार कालीनों की सप्लाई के लिये 32 लाख रु. के व्यवसाय को अन्तिम रूप दिया गया तथा 36 लाख रु. के व्यवसाय के लिये बार्ता चल रही है । इसके अतिरिक्त वस्त्रों के लिये 20.50 लाख रु. का व्यवस्याय प्रारम्भ किया गया । वस्त्रों के लिये 60.00 लाख रु. के अतिरिक्त व्यवसाय के लिये बातचीत चल रही है ।

कटिहार जिला, बिहार में राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा किसानों को ऋण

2284. **श्री तारिक अनवर** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीयकृत बैंकों हवारा किसान को ऋण दिये जाने की व्यवस्था की गई है;

(ख) यदि हां, तो गत एक वर्ष के दौरान कितने किसानों ने बिहार के कटिहार जिले मे राष्ट्रीयकृत बैंकों से ऋण लेने के लिए आवेदन दिये हैं ;

(ग) उनमें से कितने आवेदनों पर ऋण स्वीकृत कर दिये हैं और कितने आवेदनों पर ऋण स्वीकृत नहीं किये गये हैं और अभी विचाराधीन हैं ;

(घ) उन पर ऋण स्वीकृत न किये जाने के कारणों का ब्यौरा क्या है :

(ङ) क्या सरकार का विचार भविष्य में किसानों को समय पर ऋण स्वीकृत किये